स्वादिष्ट

मालपुआ

स्वादिष्ट मालपुआ

एक बार की बात है, एक माँ के सात
छोटे लड़के थे - सात भूखे, छोटे लड़के.

एक दिन, माँ ने अपने सात भूखे
छोटे लड़कों के लिए एक बहुत बड़ा
मालपुआ बनाना शुरू किया.
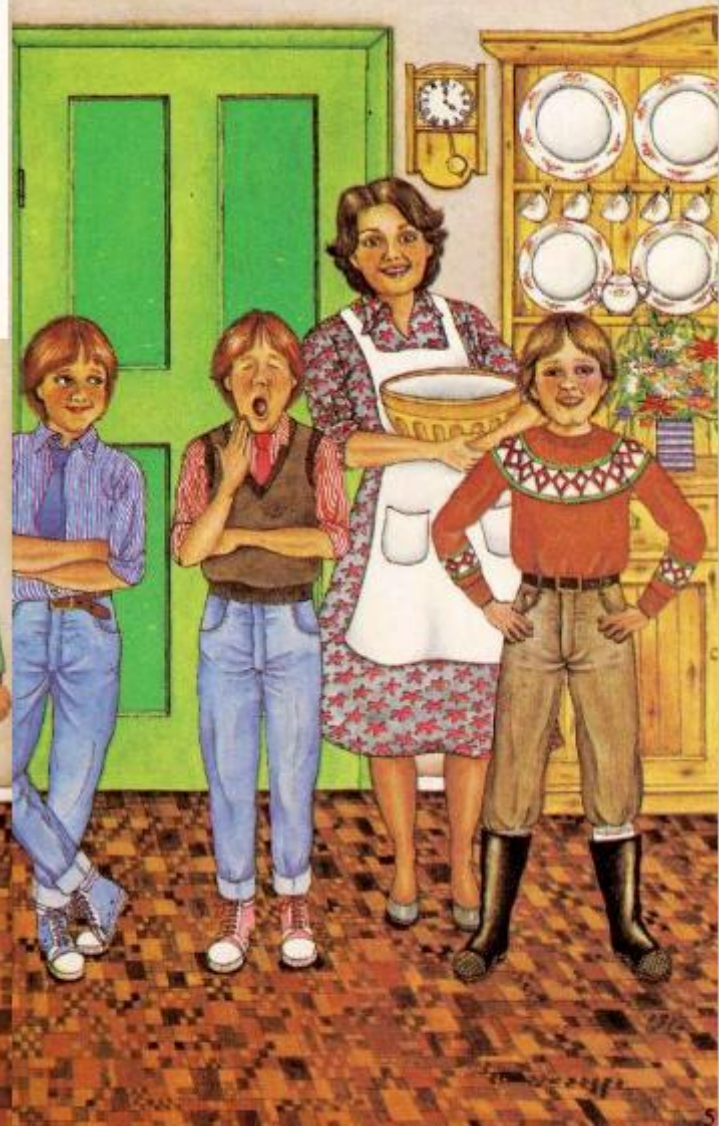
उसने आटा, नमक, चीनी और मक्खन
लिया और उनका एक घोल बनाया.
फिर उसने सबसे बड़े तवे पर कुछ
मक्खन पिघलाया.

फिर माँ ने बड़े और गर्म तवे पर घोल डाला.

उससे एक बहुत बड़ा मालपुआ बना - एक विशाल मालपुआ - सात भूखे छोटे लड़कों को खिलाने के लिए.
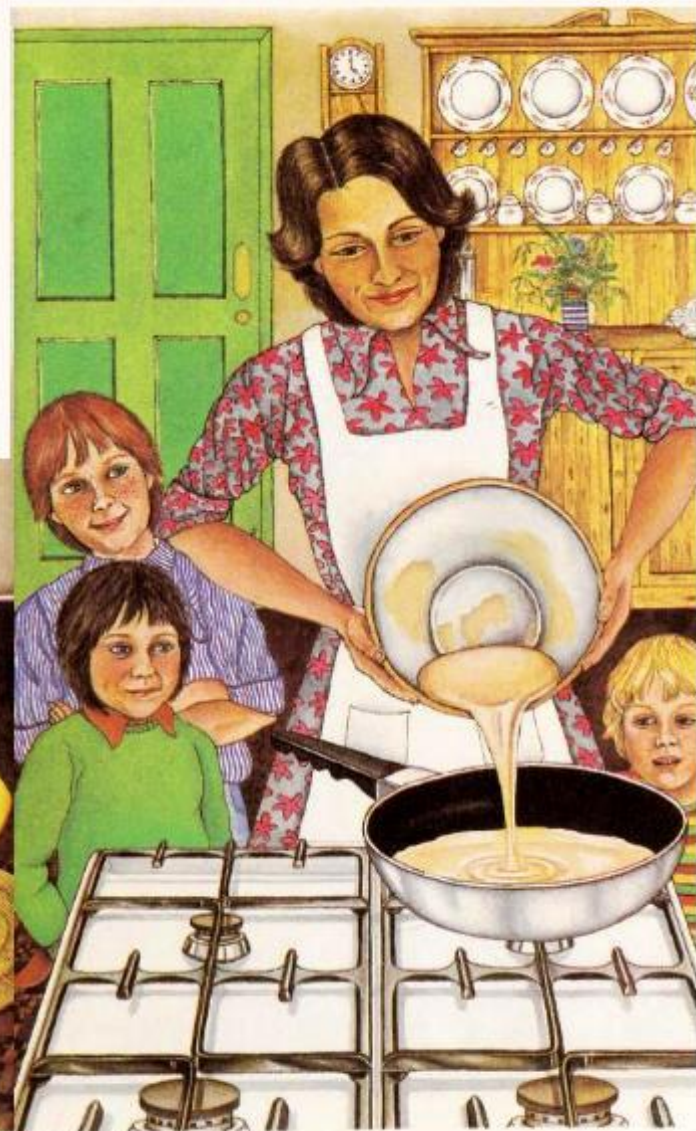
सात छोटे लड़के मालपुआ बनते देखते रहे. "हम भूखे हैं," उन्होंने कहा. "मालपुआ कब तैयार होगा?"

माँ ने मालपुए को उठाया और उसके नीचे देखा.

"देखो, वो धीरे-धीरे पककर सुनहरा हो रहा है," उसने कहा.

"अरे नहीं!" माँ ने कहा. "मुझे उसे पहले पलटना होगा. मुझे उसे हवा में उछालकर पलटना होगा, ताकि वो दूसरी तरफ भी सुनहरा हो जाए. फिर वो तैयार होगा!"
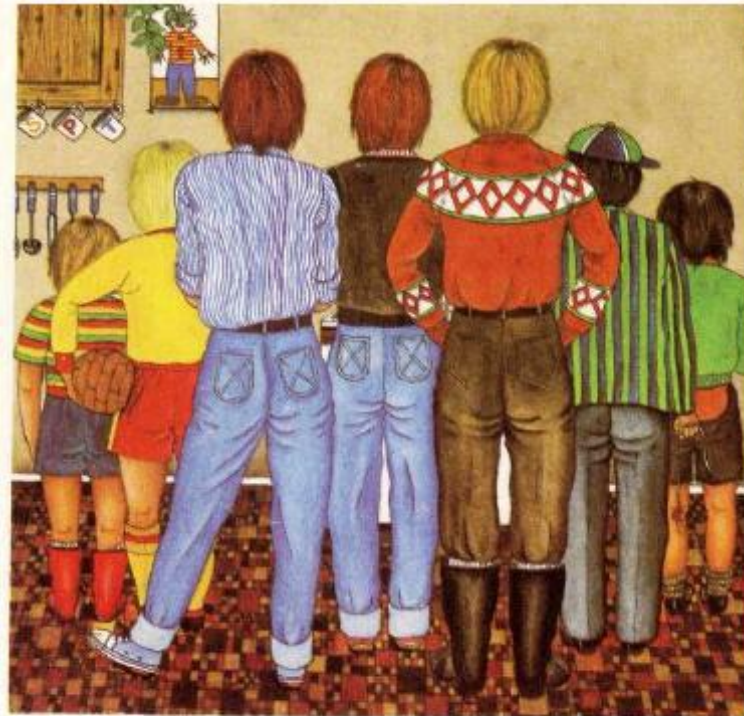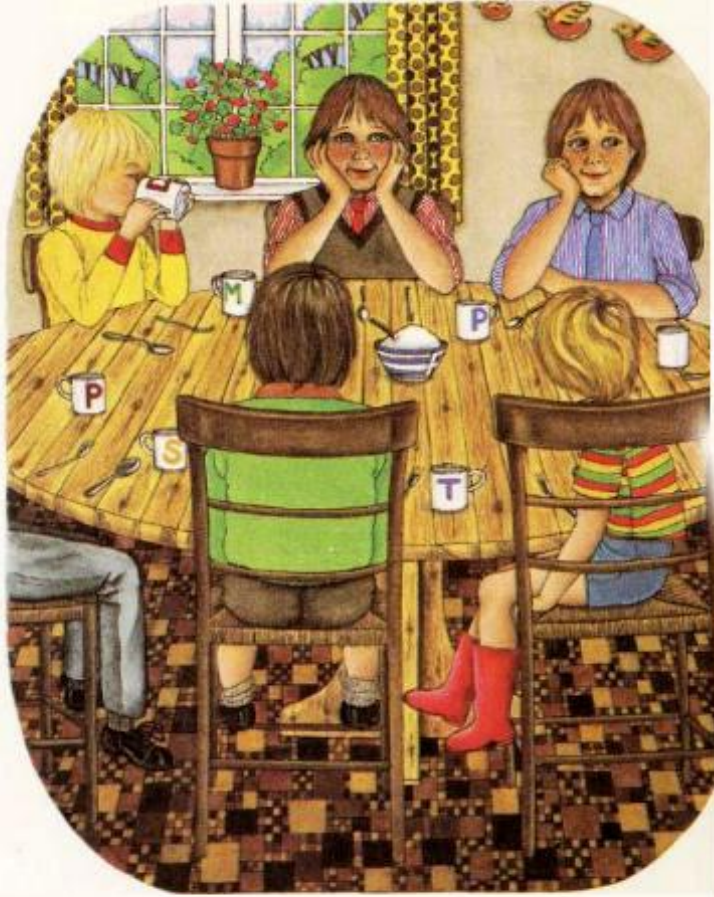
"क्या वो खाने के लिए तैयार है?" सात छोटे लड़कों से पूछा.

"अरे बाप रे!" मालपुए ने सोचा. "मुझे दूसरी तरफ सुनहरे होने तक का इंतजार नहीं करना चाहिए नहीं तो ये सात भूखे छोटे लड़के मुझे चबा जायेंगे.
और वो मेरा अंत होगा."

"मैं यहाँ से भाग जाऊंगा," मालपुए ने सोचा. "हां, मैं सात भूखे छोटे लड़कों से कहीं दूर भाग जाऊंगा."
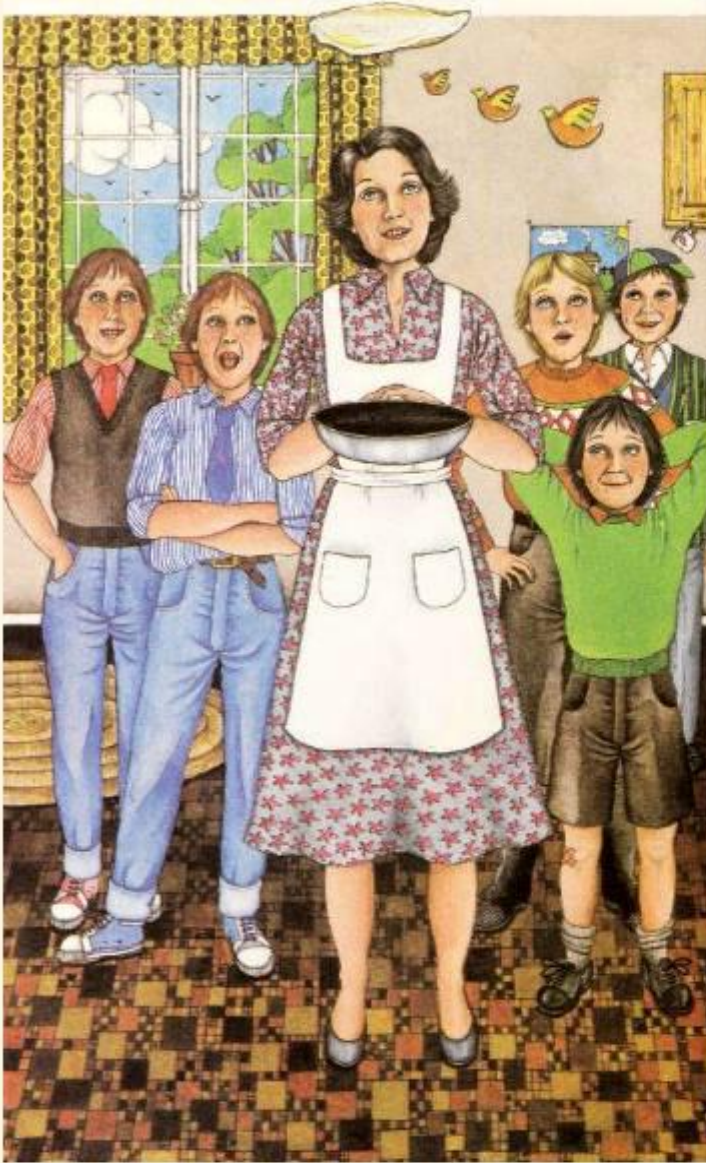
माँ ने एक हाथ से तवे को उठाया और फिर मालपुए को हवा में पलटा.

फिर माँ मालपुए को पकड़ने को तैयार हुई.

"ओह, नहीं, अब क्या होगा!" खुद से मालपुए ने कहा.

फिर मालपुआ तवे से कूदा. वो हवा में कलाबाज़ी लगाकर फर्श पर कूदा.
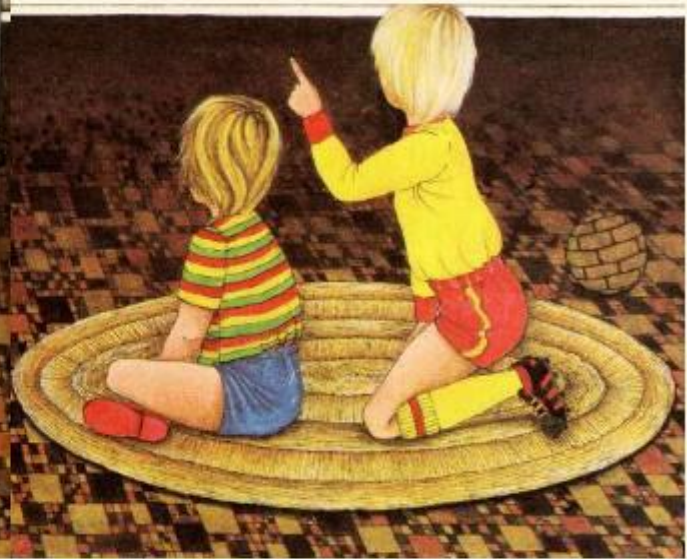
फिर, एक तरफ सुनहरा और दूसरी तरफ पीला मालपुआ, एक बड़े सिक्के की तरह, अपनी किनार पर लुढ़कने लगा.
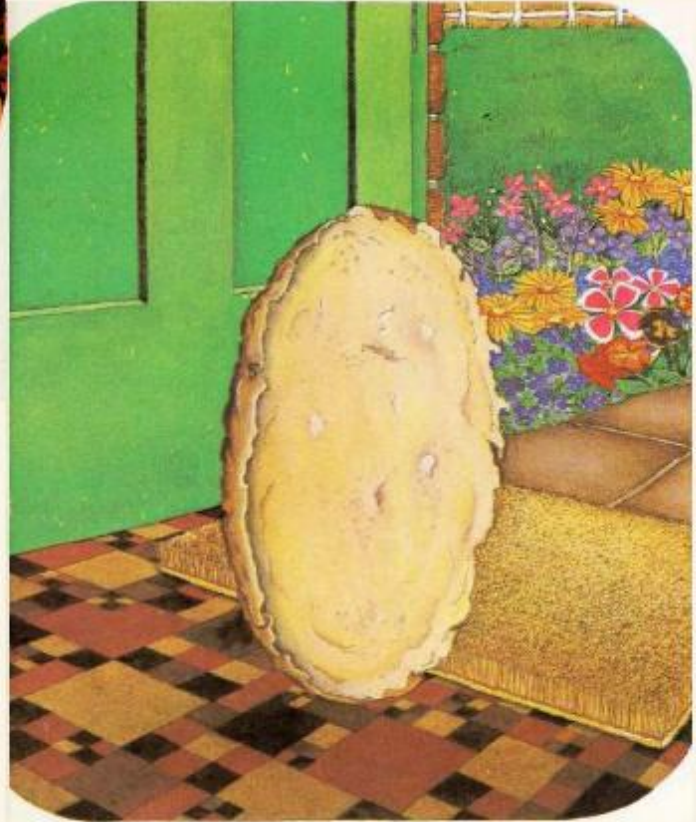
मालपुआ, दरवाज़े के बाहर गया
और वो सड़क पर सरपट भागा.

"रुको!" माँ चिल्लाईं, फिर वो
मालपुए को पकड़ने के लिए भागी.

फिर बहुत तेजी से मालपुआ भी
लुढ़काता हुआ सड़क पर दौड़ा.
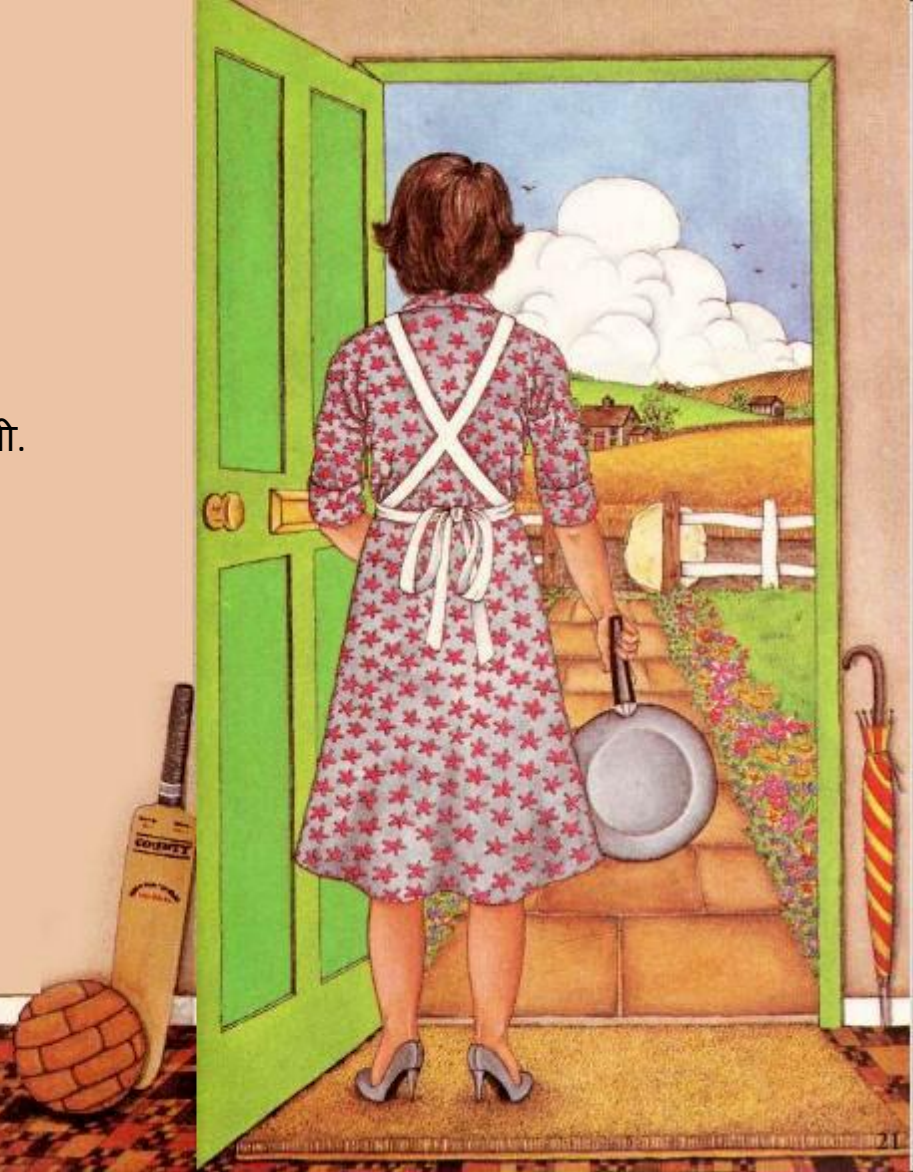
सात भूखे छोटे लड़के भी अपनी माँ के पीछे-पीछे सड़क पर भागे.

"रुको!" वे चिल्लाए. "हम तुम्हें खाना चाहते हैं!"

"अरे नहीं!" मालपुए ने कहा और फिर वो बहुत तेजी से लुढ़कने लगा.

"मैं सात भूखे छोटे लड़कों का भोजन नहीं बनना चाहता."

"अरे नहीं!" मालपुए ने कहा. "मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे खाए. एक माँ मुझे पकड़ नहीं पाई. सात छोटे लड़के मुझे पकड़ नहीं पाए. मैं तुम्हारे हाथ भी नहीं आऊंगा."
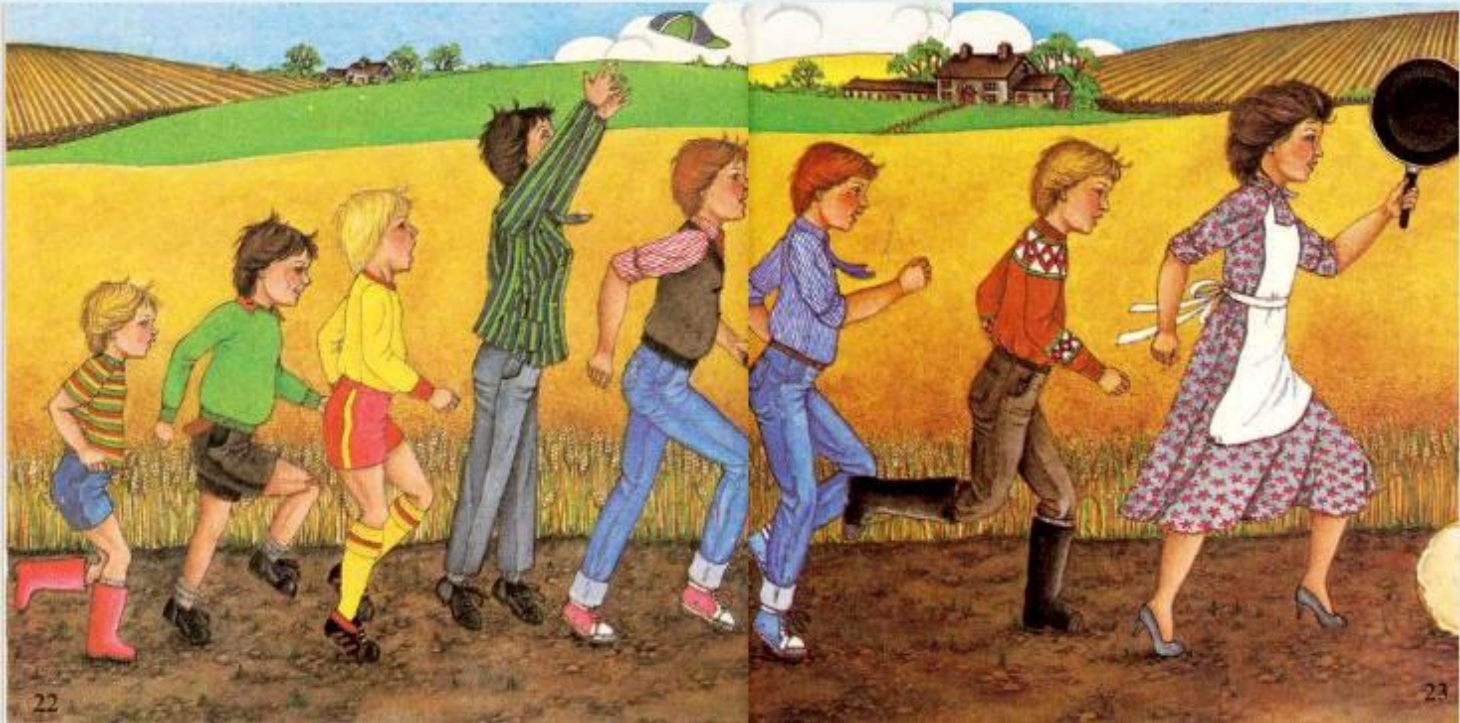
जल्द ही मालपुआ एक आदमी के सामने से गुज़रा.

"रुको!" वो आदमी चिल्लाया. "तुम एक स्वादिष्ट मालपुआ दिखते हो. मैं तुम्हें खाना चाहता हूँ!"
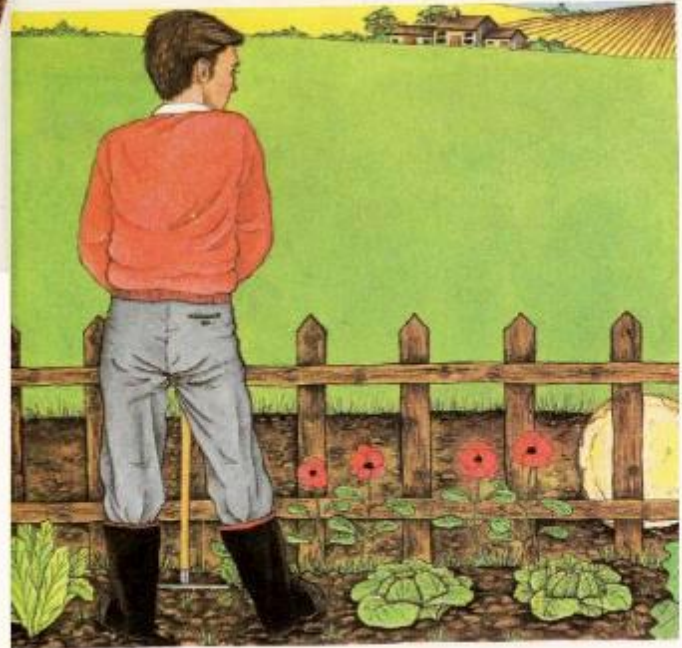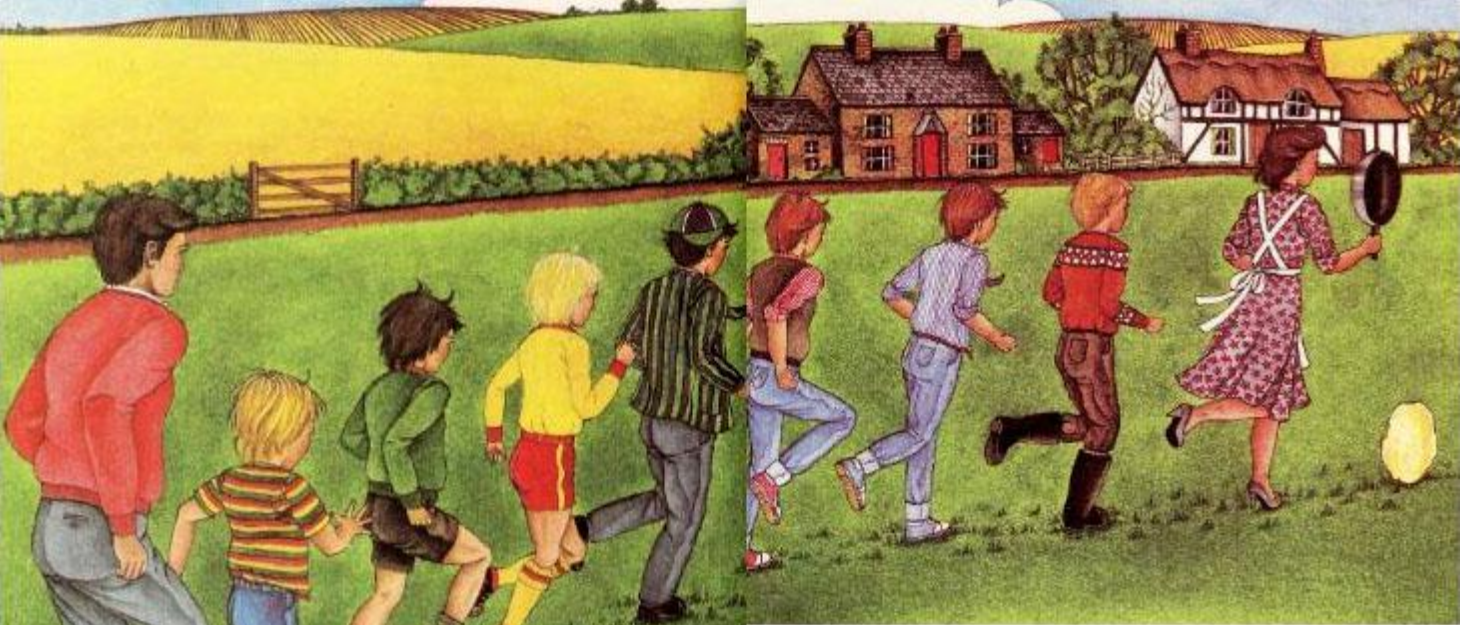
फिर मालपुआ तेजी से और तेजी से लुढ़का.

वह आदमी, सात भूखे छोटे लड़कों और माँ के पीछे-पीछे दौड़ने लगे. वे सभी उस बड़े मालपुए के पीछे-पीछे भागे.

जल्द ही मालपुआ एक बिल्ली के सामने से गुज़रा.
"रुको!" बिल्ली चिल्लाई. "तुम एक स्वादिष्ट मालपुआ दिखते हो. मैं तुम्हें खाना चाहती हूँ!"
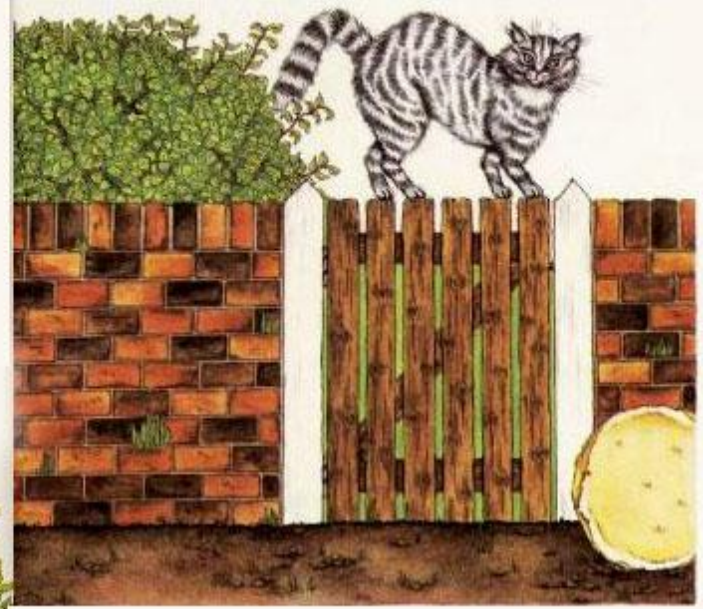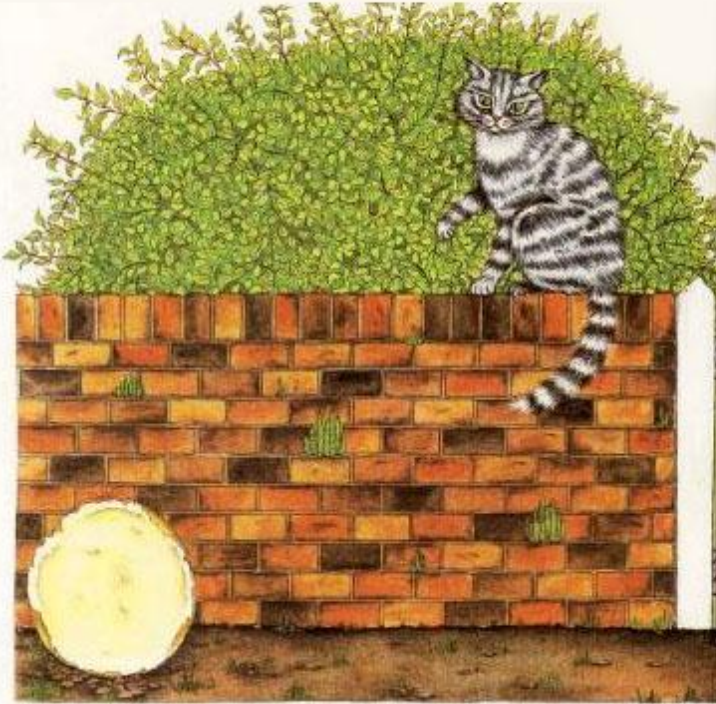
"अरे नहीं!" मालपुए ने कहा. "मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे खाए. एक माँ मुझे पकड़ नहीं पाई. सात छोटे लड़के मुझे पकड़ नहीं पाए. एक आदमी मुझे पकड़ नहीं पाया. मैं तुम्हारे हाथ भी नहीं आऊंगा!"
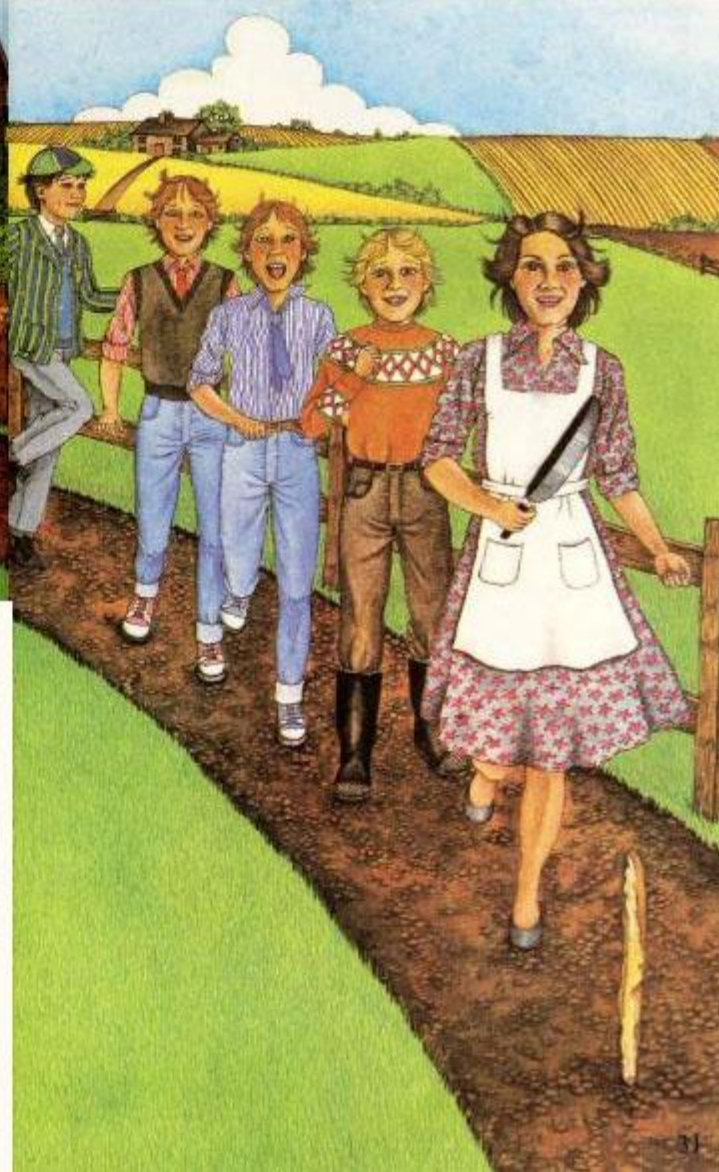
फिर मालपुआ तेजी से और तेजी से लुढ़का.

बिल्ली, आदमी और सात भूखे छोटे लड़के और माँ उसके पीछे-पीछे भागे. वे सभी बड़े मालपुए के पीछे-पीछे भागे.
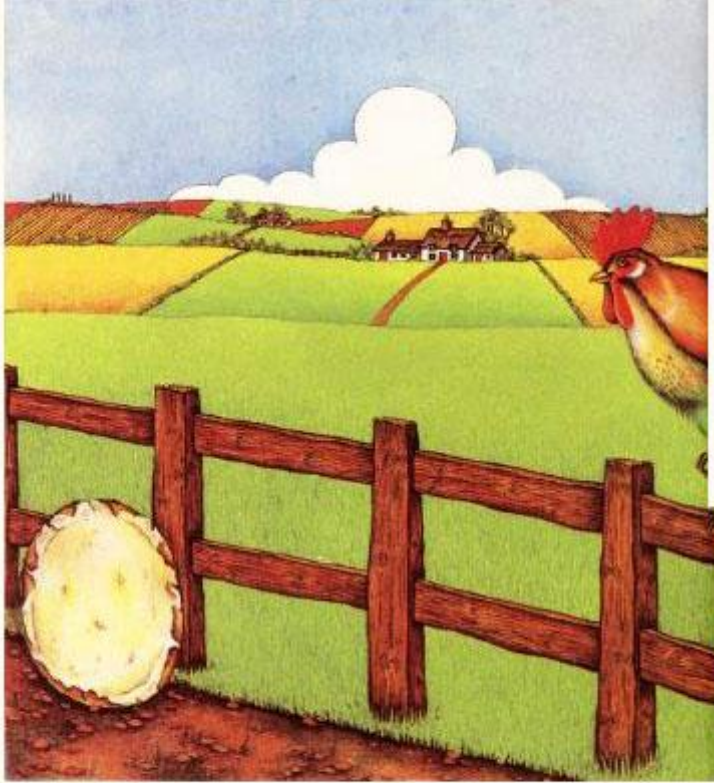
जल्द ही मालपुआ एक मुर्गे के सामने से गुज़रा.

"रुको!" मुर्गा चिल्लाया. "तुम एक स्वादिष्ट मालपुआ दिखते हो. मैं तुम्हें खाना चाहता हूँ!"

"अरे नहीं!" मालपुए ने कहा. "मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे खाए. एक माँ मुझे पकड़ नहीं पाई. सात छोटे लड़के मुझे पकड़ नहीं पाए. एक आदमी मुझे पकड़ नहीं पाया. एक बिल्ली मुझे पकड़ नहीं पाई. और मैं तुम्हारी पकड़ में भी नहीं आऊंगा!"

मुर्गा, बिल्ली, आदमी, सात भूखे छोटे लड़के और माँ उसके पीछे दौड़ने लगे. वे सभी बड़े मालपुए के पीछे भागे.
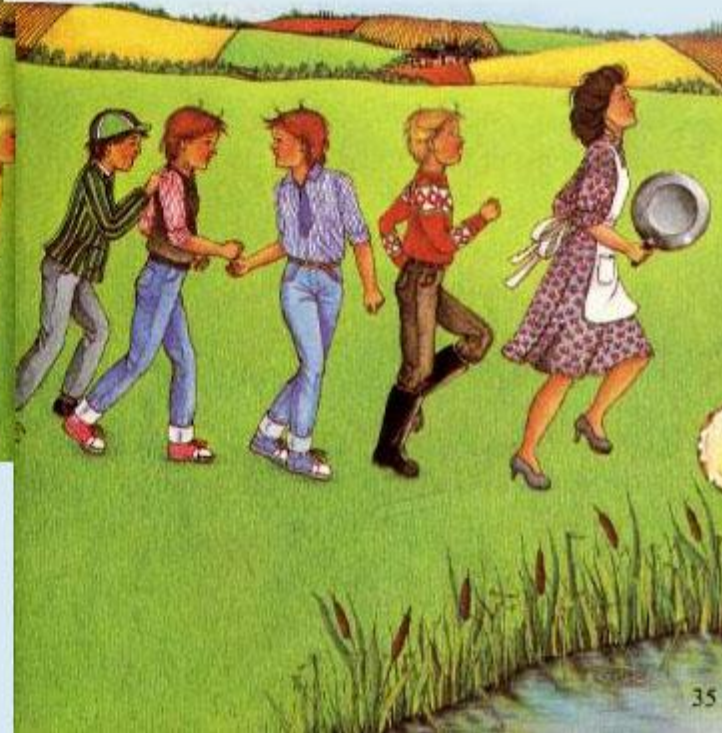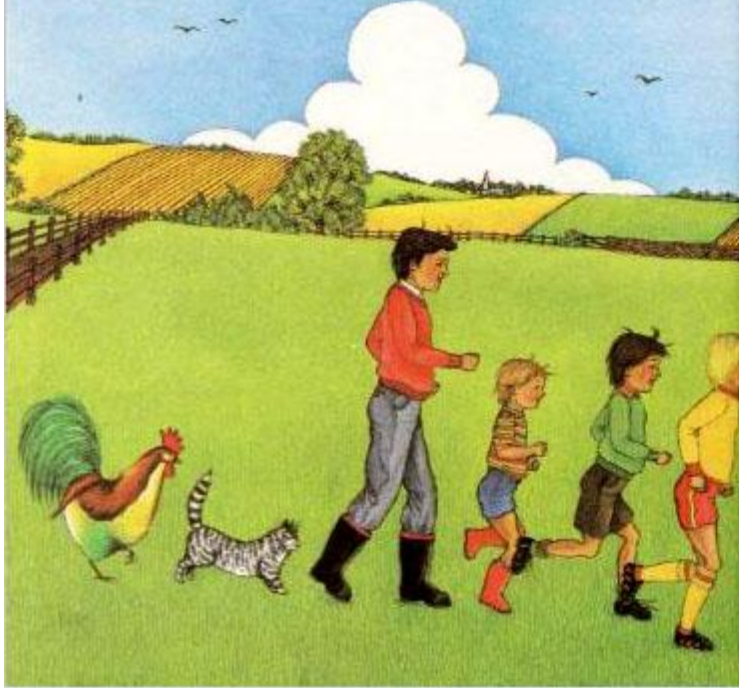
फिर मालपुआ तेजी से और तेजी से लुढ़का.

जल्द ही मालपुआ एक बत्तख के सामने से गुज़रा.

"रुको!" बत्तख चिल्लाई. "तुम एक स्वादिष्ट मालपुआ दिखते हो. मैं तुम्हें खाना चाहती हूँ!"

"अरे नहीं!" मालपुए ने कहा. "मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे खाए. एक माँ मुझे पकड़ नहीं पाई. सात छोटे लड़के मुझे पकड़ नहीं पाए. एक आदमी मुझे पकड़ नहीं पाया. एक बिल्ली मुझे पकड़ नहीं पाई. एक मुर्गा भी मुझे पकड़ नहीं पाया. और मैं तुम्हारी पकड़ में भी नहीं आऊंगा!"

फिर मालपुआ तेजी से और तेजी से लुढ़कने लगा.

बत्तख, मुर्गा, बिल्ली, आदमी, सात भूखे छोटे लड़के और माँ मालपुए के पीछे भागने लगे.
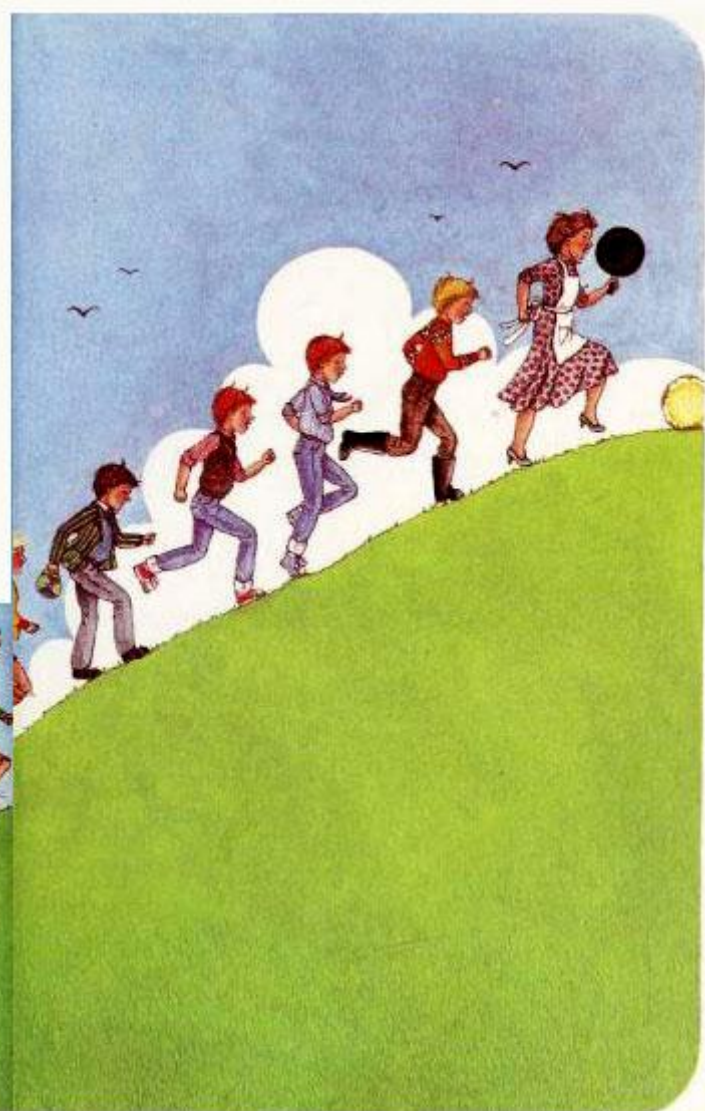
जल्द ही मालपुआ एक गाय के सामने से गुज़रा.

"रुको!" गाय चिल्लाई. "तुम एक स्वादिष्ट मालपुआ दिखते हो. मैं तुम्हें खाना चाहती हूँ!"

"अरे नहीं!" मालपुए ने कहा. "मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे खाए. एक माँ मुझे पकड़ नहीं पाई. सात छोटे लड़के मुझे पकड़ नहीं पाए. एक आदमी मुझे पकड़ नहीं पाया. बिल्ली भी मुझे पकड़ नहीं पाई. एक मुर्गा भी मुझे पकड़ नहीं पाया. बत्तख भी मुझे पकड़ नहीं पाई, और मैं तुम्हारी पकड़ में भी नहीं आऊंगा!"
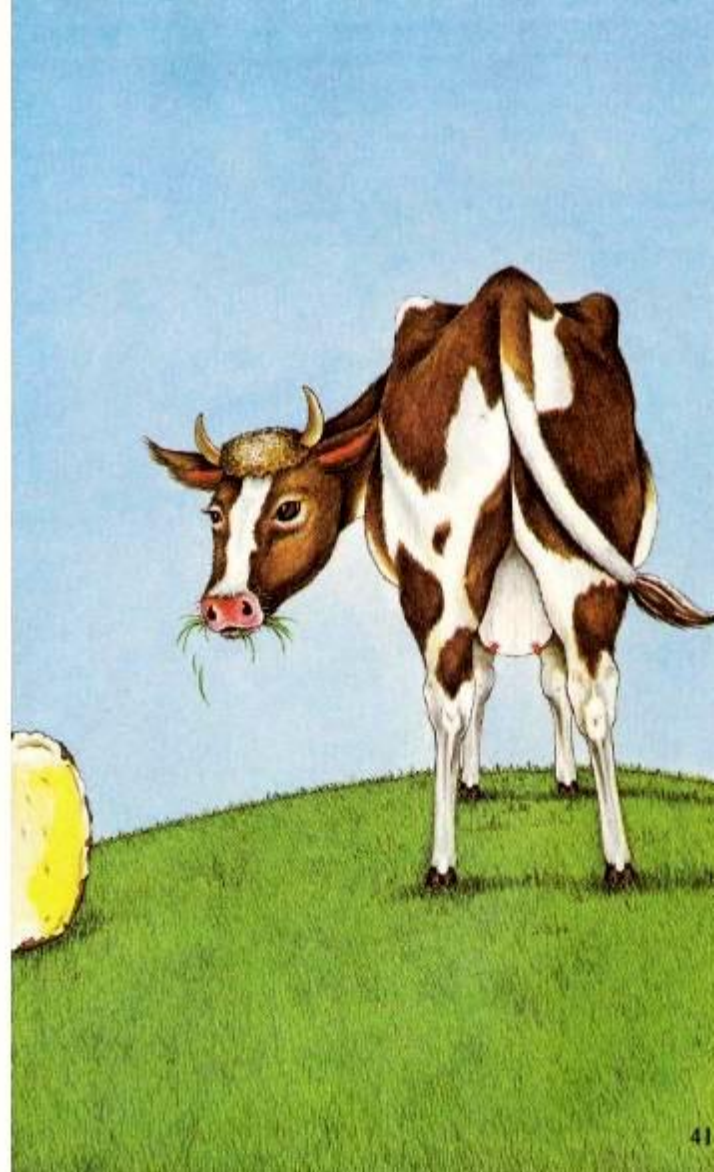
फिर मालपुआ तेजी से और तेजी से लुढ़का.

गाय, बत्तख, मुर्गा, बिल्ली, आदमी और सात भूखे छोटे लड़के और माँ उसके पीछे-पीछे दौड़े.
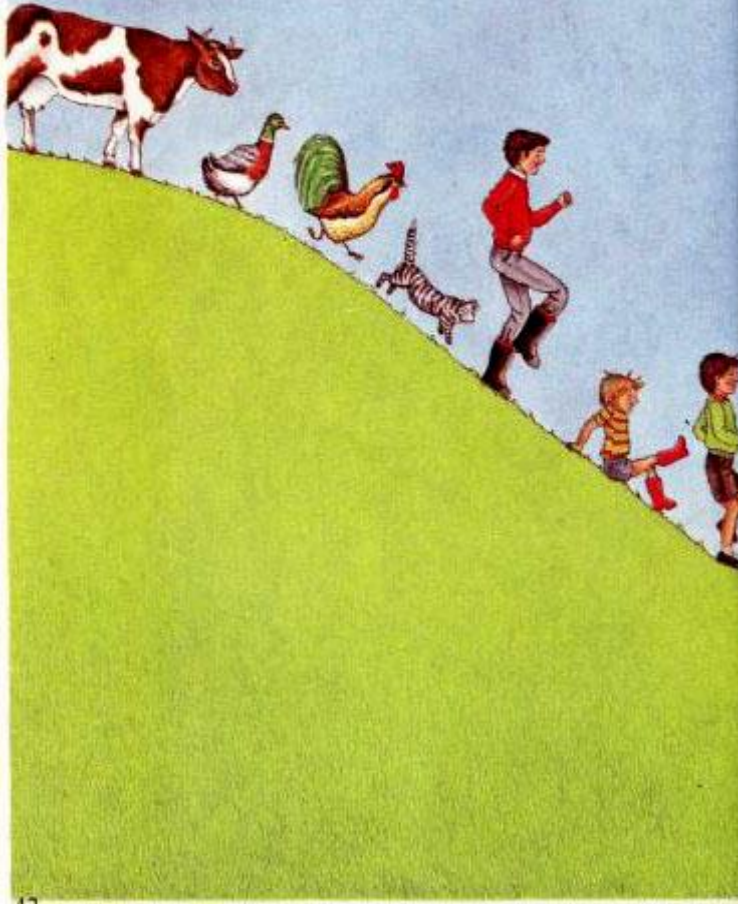
जल्द ही मालपुआ एक सुअर के सामने से गुज़रा.

"तुम इतनी जल्दी में कहाँ जा रहे हो?" सुअर ने उससे पूछा.
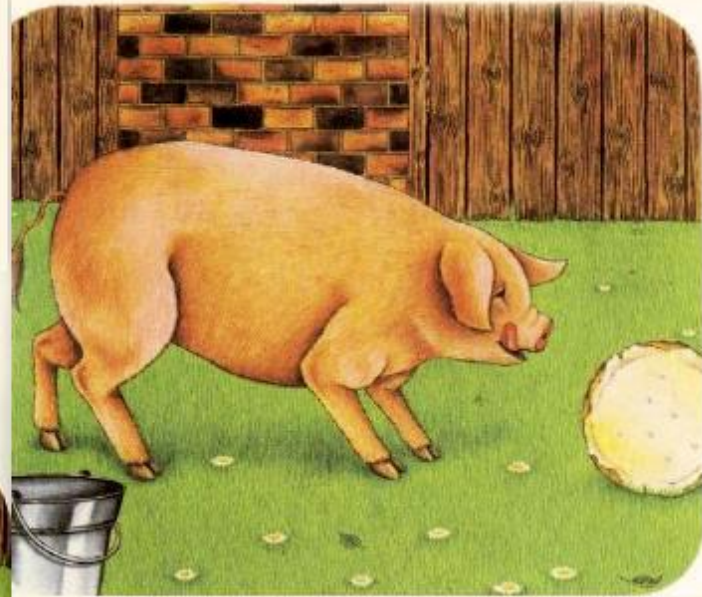
"मैं एक माँ, सात भूखे छोटे लड़कों, एक आदमी, एक बिल्ली, एक मुर्गे, एक बत्तख और एक गाय से भाग रहा हूं," बड़े मालपुए ने कहा. "वे सभी मुझे खाना चाहते हैं, और मैं नहीं चाहता कि वे मुझे खाएं."

"बेशक उन्हें तुम्हें नहीं खाना चाहिए," सुअर ने कहा. फिर वो मालपुए के साथ भागने लगा. "मैंने ऐसी बात पहले कभी नहीं सुनी!"

जल्द ही मालपुआ और सुअर एक नदी के किनारे पहुंचे.
अब, मैं क्या करूँ? "मालपुए ने सुअर से पूछा. "मैं तैर नहीं सकता!"

"लेकिन मैं तैर सकता हूँ!" सुअर ने कहा.
"तुम मेरी थूथनी पर चढ़ जाओ. मैं तुम्हें
नदी पार ले जाऊंगा."

फिर मालपुआ, सुअर की थूथनी पर चढ़
गया.
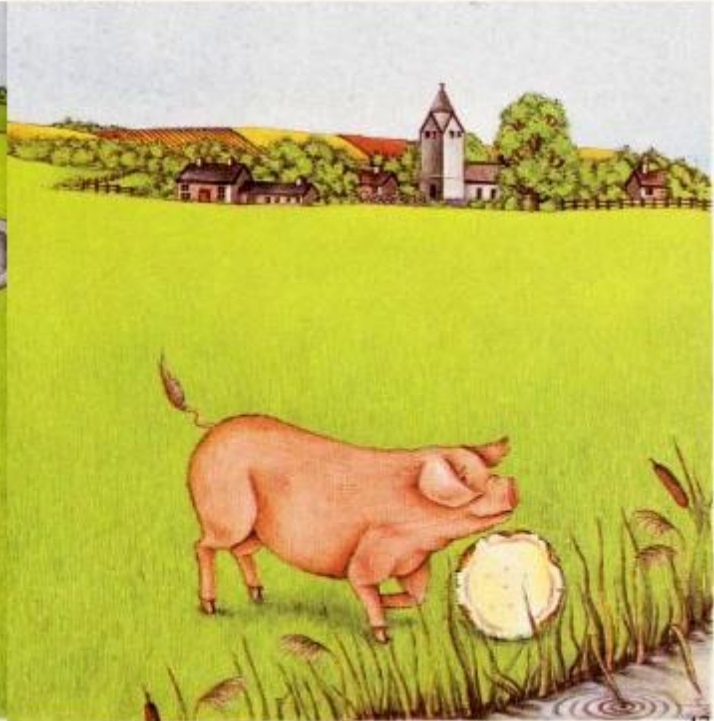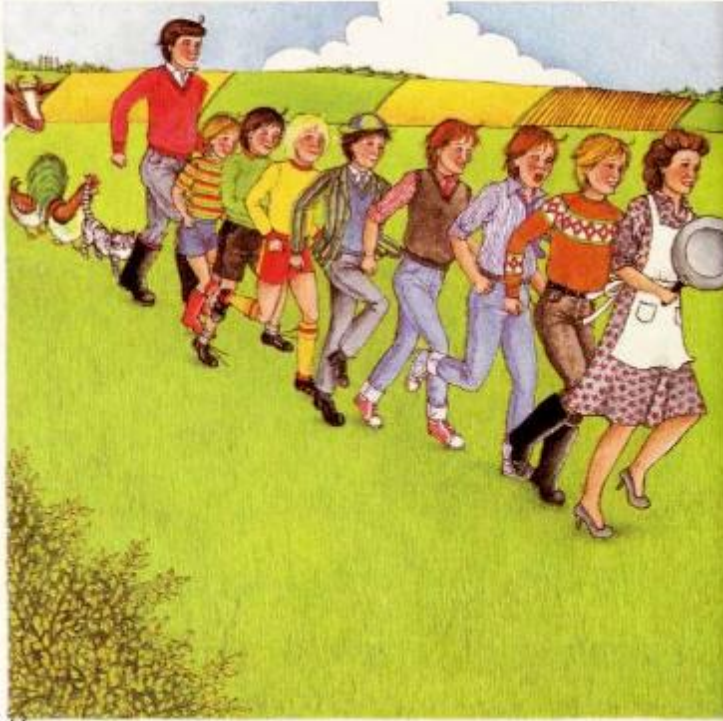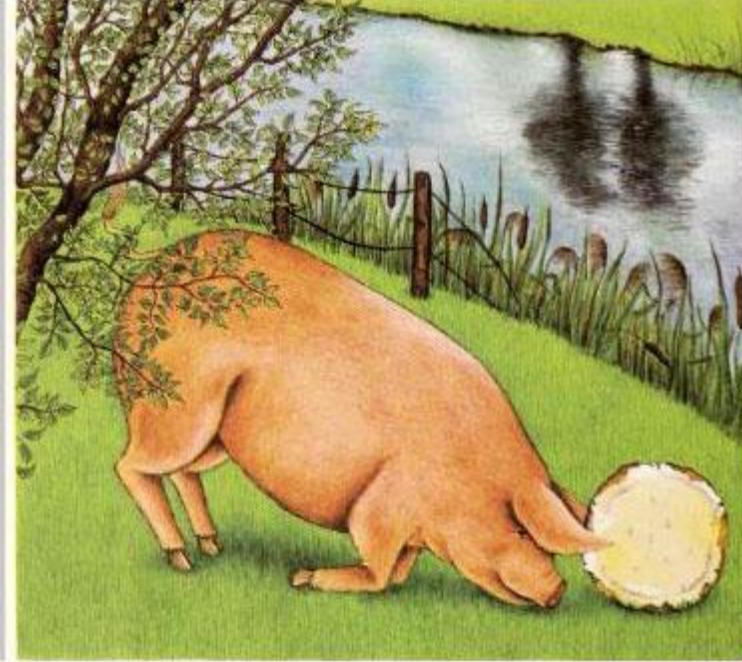
उसके बाद सुअर ने अपना मुंह खोला
और वो मालपुए को खा गया!
मालपुआ बेहद स्वादिष्ट था!
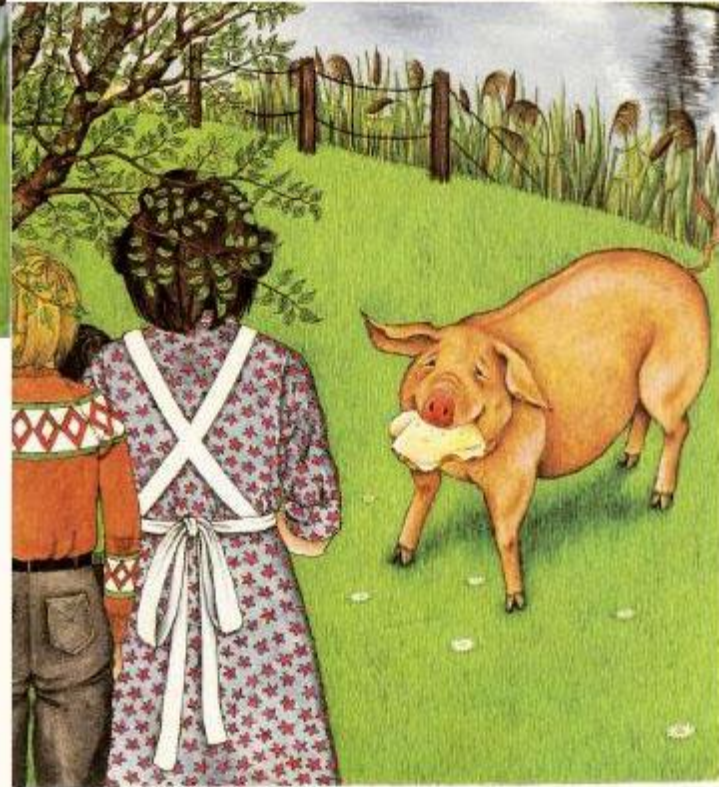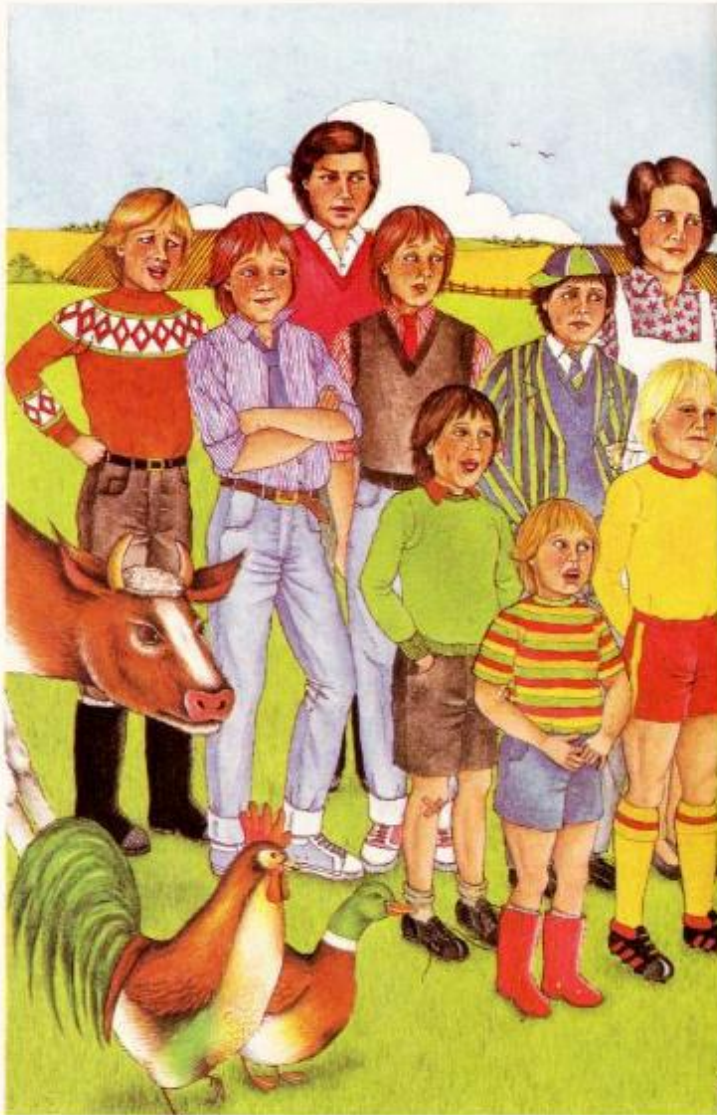
इस तरह उस बड़े मालपुए का अंत हुआ.

माँ और सात भूखे छोटे लड़के, आदमी और बिल्ली, मुर्गा, बत्तख और गाय उस बड़े मालपुए को पकड़ नहीं पाए.

समाप्त